Post Graduate Curriculum Framework

With effect from the Academic Session 2026–27, the M.A./M.Sc./M.Com in (Prakrit and Jainology) programme in the Universities of Bihar shall be offered in accordance with the UGC Curriculum and Credit Framework for Postgraduate Programmes (PGCF) and the provisions of the National Education Policy (NEP), 2020.

The programme provides flexibility to students to pursue either a Two-Year Master's Degree Programme or a One-Year Master's Degree Programme for candidates who have completed a four-year undergraduate degree with the requisite credits and qualifications as prescribed by UGC.

The curriculum is designed under the Choice Based Credit System (CBCS) and comprises a combination of Core Courses (CCs), Discipline Specific Electives (DSEs), Generic Electives (GEs), Skill Enhancement Courses (SECs), Ability Enhancement Courses (AECs), and Value Added Courses (VACs). The programme seeks to impart advanced theoretical knowledge, computational proficiency, research aptitude, and practical skills in Statistics and its applications.

Each academic year shall consist of two semesters. Students shall be required to successfully complete the prescribed combination of Core, Elective (Discipline/Generic/Open), Skill Enhancement, Ability Enhancement, and Value Added Courses in each semester to fulfil the credit requirements of the programme.

The curriculum incorporates contemporary developments in (Prakrit and Jainology), including (relevant topics of your programme). The syllabus and reading materials shall be reviewed periodically to ensure alignment with emerging developments in academia, research, industry, and public policy.

Teaching-learning methodologies may include lectures, tutorials, seminars, laboratory sessions, statistical computing exercises, case studies, project work, field-based applications, and research assignments. Practical training shall provide hands-on experience in the use of statistical software packages, data analysis techniques, computational tools, and real-world problem-solving.

Assessment shall be conducted through a combination of continuous evaluation and end-semester examinations, including assignments, presentations, practical examinations, projects, viva-voce examinations, and written tests, as prescribed by the authorities concerned from time to time.

Students shall have the opportunity to choose elective and generic courses in accordance with their academic interests, subject to the availability of courses and institutional regulations, thereby promoting interdisciplinary learning and specialization within the broad domain of (Prakrit and Jainology).

24/1/26

(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

REVISED

COURSE OF STUDIES
PRAKRIT AND JAINOLOGY

Programme Level	Master of Arts (MA)
Subject / Discipline	[Prakrit and Jainology]
Faculty	[Faculty of Humanities]
University	Universities of Bihar Established under the BSU AC 1976/PU Act 1976.
Duration	Two Years / Four Semesters
NHEQF Level	Level 6.5
Effective from	2026-27 onwards

PART A — PROGRAMME OVERVIEW & OBJECTIVES

A.1 Graduate Attributes (GAs)

The programme nurtures the following Graduate Attributes in alignment with the National Higher Education Qualifications Framework (NHEQF) Level 6.5:

अति प्राचीन काल में इस देश के आर्य लोगों की कथ्य भाषा–बोलचाल की भाषा– जिस भाषा में भगवान महावीर और बुद्ध ने अपने पवित्र सिद्धान्तों का उपदेश दिया था, जिस भाषा को जैन और बौद्ध विद्वानों ने विविध विषयक विपुल साहित्य कीरचनाकर अपनाया है, जिस भाषा में श्रेष्ठ काव्य का निर्माण प्रवरसेन एवं कवि वत्सल हॉल आदि ने किया है, /जिस भाषा के मौलिक साहित्य के आधार पर संस्कृत के अनेक उत्तम ग्रन्थों की रचना हुयी है, संस्कृत के नाटक ग्रन्थों में संस्कृति भिन्न जिस भाषा में भारतवर्ष की वर्त्तमान समस्त आर्य भाषाओं की उत्पति हुयी है और जो भाषाएँ भारत के अनेक प्रदेशों में आजकल भी बोली जाती है, इन सब भाषाओं का साधारण नाम है **'प्राकृत'** क्योंकि ये सब भाषाएँ एकमात्र प्राकृत के ही विभिन्न रूपान्तरण हैं जो समय और स्थान के भिन्नता के कारण उत्पन्न हुयी है। इसी से इन भाषाओं के व्यक्तिवाचक नामों के आगे 'प्राकृत' शब्द का प्रयोग आज तक किया जाता है। जैसे–प्राथमिक प्राकृत, आर्य या अर्धमागधी प्राकृत, महाराष्ट्री प्राकृत, अपभ्रंश प्राकृत, हिन्दी प्राकृत, बंगला प्राकृत आदि। इसी भाषा में रचित जैनशास्त्र हमें अहिंसा, कर्म के सिद्धान्त और आत्मिक शांति के मार्ग दर्शाते हैं।

24/7/26

A.2 Programme Outcomes (POs)

The Programme Educational Objectives describe the career and professional accomplishments that graduates are expected to attain within three to five years of graduation.

प्राकृत एवं जैनशास्त्र विषय हमारी संस्कृति का पोषक एवं धरोहर है। साहित्य समाज का दर्पण होता है, प्राकृत साहित्य में जैनशास्त्र का ग्रन्थ रचित है। प्रारम्भिक रूप में प्राकृत बोली के रूप में अनादि काल से है। जब से सृष्टि की रचना हुई है, तब से ही प्राकृत प्रकृतिभाव के रूप में उत्पन्न हुआ है। प्रारम्भ में यह बोली आगे चलकर भाषा और साहित्य के रूप में परिणत हुआ

जिसमें अनेक साहित्यों खासकर जैन साहित्य, दर्शन आदि की रचना हुयी है। जैन शास्त्र के सिद्धान्त आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना प्राचीन काल में था। इसलिए आज भी जैन शास्त्रों में वर्णित मानवीय मूल्यों का बहुत ही महत्व है, इसका महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि यह व्यक्तिगत जीवन में नैतिक मूल्यों को स्थापित करता है और आत्मा को सांसरिक बन्धनों से मुक्त कर मोक्ष की ओर ले जाता है। जैन शास्त्र हमें मन, वचन और कर्म से किसी भी जीव को चोट न पहुँचाने की शिक्षा देता है। यह सिद्धान्त विश्व में शांति एवं करूणा का मुख्य आधार है, इसके कर्म सिद्धान्त वैज्ञानिक और आध्यात्मिक पहलू को गहराई से समझाता है और अपरिग्रह सिद्धान्त आज के आधुनिक युग में मानसिक तनाव को कम करने एवं पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए अत्यधिक प्रासंगिक है।

A.3 Programme Specific Outcomes (PSOs)

Upon successful completion of this programme, a student shall demonstrate the following learning outcomes:

प्रस्तावित पाठयक्रम के पठन–पाठन के पश्चात् विद्यार्थी अपने व्यक्तिगत जीवन में सदाचार, उच्चविचार तथा चरित्र निर्माण के लिए एक अमोद्य अस्त्र के रूप में स्वीकार करेंगे तथा चरित्रवान व्यक्ति के रूप में समाज तथा राष्ट्र निर्माण में सहयोग करेंगे। इस विषय में वर्णित दर्शन ज्ञान नया भारत, नया राष्ट्र एवं नये समाज की कल्पना में अपूर्व सहयोग प्रदान करेगा। अगर इस भाषा और विषय की चर्चा एवं पठन–पाठन भारत के तमाम शैक्षणिक संस्थानों में लागू किया जाए तो इसका परिणाम व्यापक सिद्ध होगा।

PART B — COURSE STRUCTURE (CBCS/NHEQF FRAMEWORK)

24/7/26

B.1 Semester-wise Course Structure

The following table presents the full four-semester course structure. Column headings: L = **Lectures per week**; T = Tutorials per week; P = Practicals per week; CC = Core Course; DSE = Discipline Specific Elective; GE/OE = Generic/Open Elective; SEC = Skill Enhancement Course; PROJ = Project/Dissertation.

S.No	Paper Code	Title of the Course/Paper	L	T	P	Credits	Max Marks	Type
		SEMESTER I						
1	CC-101	प्राकृत भाषा एवं व्याकरण	3	1	0	4	100	CC
2	CC-102	अर्धमागधी आगम साहित्य	3	1	0	4	100	CC
3	CC-103	जैन दर्शन	3	1	0	4	100	CC
4	CC-104	अपभ्रंश ग्रन्थ एवं प्राकृत कथा	3	1	0	4	100	CC
5	GE-105	प्राचीन अभिलेख	3	1	0	4	100	GE
6	GE-106	जीवनोपयोगी तत्व	2	0	0	2	100	VAC/AEC/SEC
		Total — Semester I	17	5	0	22	600	

S.No.	Paper Code	Title of the Course/Paper	L	T	P	Credits	Max. Marks	Type
		SEMESTER II						
1	CC-205	शौरसेनी आगम साहित्य	3	1	0	4	100	CC
2	CC-206	प्राकृत के प्राचीन महाकाव्य	3	1	0	4	100	CC
3	CC-207	नाटक एवं सट्टक	3	1	0	4	100	CC
4	CC-208	शोध पद्धति एवं अनुवाद	3	1	0	4	100	CC
5	GE-205	प्राकृत एवं अन्य साहित्य के अध्ययन की उपयोगिता	3	1	0	4	100	GE
6	GE-206	जैन एवं जैनेत्तर लोक संस्कृति	2	0	0	2	100	VAC/AEC/SEC
		Total — Semester II	**17**	**5**	**0**	**22**	**600**	

Particulars	Semester	Course Code	Course Title
Basket I	I	MA-PRAK-GE105	प्राचीन अभिलेख
		MA-PRAK- GE106	जीवनोपयोगी तत्व
Basket II	II	MA-PRAK-GE205	प्राकृत एवं अन्य साहित्य के अध्ययन की उपयोगिता
		MA-PRAK-GE206	जैन एवं जैनेत्तर लोक संस्कृति

24/7/26

(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

PART C — COURSES OF STUDIES

Instructions to Course Experts: Replicate Part C in full for each paper listed in the Course Structure above. Complete all fields; do not leave sections blank. Use 'Not Applicable' where a field genuinely does not apply.

C.1 Paper Identification

PAPER PROFILE

Paper Code	MA PK & J CC 101
Title of the Paper	Core Course I: प्राकृत भाषा एवं व्याकरण
Programme / Subject	[MA] — [Prakrit and Jainology]
Semester	Semester I
Nature of Course	Core Course (CC)
L – T – P	3 – 1 – 0
Credits	4
Maximum Marks	100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30)
Duration of Examination	3 Hours

C.2 Marks Distribution

Component	Paper I	Practical	IA	Total (ESE+IA/ESE+PRAC)
End Semester Examination	70	—	—	70
Practical / Lab Work	—	30	—	30
Internal Assessment	—	—	30	30
Maximum Marks	**70**	**30**	**30**	**100**
Passing Marks	**32**	**13**	**13**	**45 (45%)**

Note: Internal Assessment shall be conducted on the basis of attendance, class tests, seminars, assignments, and viva voce as provided in the regulation.

C.3 Course Objectives (COBs)

COB No.	Course Objectives
COB 1	अतिप्राचीन काल से बोली जाने वाली प्राकृत भाषा एवं साहित्य की विस्तृत जानकारी प्राप्त करना
COB 2	प्राकृत भाषा के प्रमुख भेदों तथा उपभेदों का विस्तृत वर्णन
COB 3	भाषा विज्ञान के अन्तर्गत दिये गये भाषिक टिप्पणियों का विस्तृत वर्णन
COB 4	आचार्य हेमचन्द्र व्याकरण के अनुसार सूत्रों की जानकारी हासिल करना
COB 5	प्राकृत व्याकरण की सामान्य जानकारी

24/7/26

(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

C.4 Course Outcomes (COs)

CLO No	Course Learning Outcome
CLO 1	भाषा साहित्य और व्याकरण के अध्ययन के पश्चात प्राकृत एवं जैनशास्त्र विषय का ज्ञान प्राप्त होगा
CLO 2	प्राकृत के विभिन्न भेदों तथा विभिन्न क्षेत्रों में बोली जाने वाली प्राकृत बोलियों के संबंध में जानकारी हासिल होगी ।
CLO 3	जैनशास्त्र के अनुसार लोक कल्याणकारी जीवन तथा देश एवं समाज के नवनिर्माण में सहयोग प्रदान करने वाली भाषाओं का ज्ञान प्राप्त होगा।
CLO 4	प्राकृत व्याकरण, अपभ्रंश ग्रंथ तथा कथा साहित्य के माध्यम से विषय की सम्पूर्ण जानकारी होगी ।

24/7/26

(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

C.5 Syllabus — Unit-wise Breakdown

Course Name: PRAKRIT AND JAINOLOGY		
Unit	**Content**	**Suggested Lectures hours**
I	प्राकृत भाषा का उद्भव एवं विकास, प्रथमयुगीन, द्वितीय युगीन तृतीय युगीन प्राकृत भाषा की परिभाषा, भाषा और बोली, भाषा की परिवर्तनशीलता, अर्थ परिवर्तन, ध्वनि परिवर्तन, वैदिक साहित्य में प्राकृत भाषा के तत्व	12–15
II	प्राकृत भाषा के प्रमुख भेद एवं उनकी विशेषताएँ– मागधी, अर्धमागधी, शौरसेनी, महाराष्ट्री, पैशाची एवं अपभ्रंश	12–15
III	भाषिक टिप्पणियाँ स्वर, व्यंजन, अनुस्वार, अनुनासिक, विसर्गध्वनि, स्वर परिवर्तन व्यंजन, लोप, आगम, वर्ण विपर्यय	12–15
IV	आचार्य हेमचन्द्र व्याकरण के आधार पर प्रथम पाद सूत्र व्याख्या (स्वर सन्धि, संधि विधि, अनुस्वार विधि एवं लिंग परिवर्तन प्रकरणम्)	12–15
V	प्राकृत व्याकरण– वर्ण, संज्ञा, सन्धि, कारक, समास, शब्दरूप एवं धातुरूप	12-15
	Total Suggested Lectures	**60 (For 4 Credit Course)**
	Total Suggested Contact Hours For Practical/Field Work Courses	**120 Hours/Semester**

C.6 Prescribed Textbooks

1. डॉ॰ नेमिचन्द्र शास्त्री – प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – तारा बुक एजेन्सी सिगरा वाराणसी
2. डॉ. जगदीश चन्द्र जैन–प्राकृत साहित्य का इतिहास– चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. डॉ. भोलानाथ तिवारी– भाषा विज्ञान – किताब महल, आगरा
4. डॉ. कर्ण सिंह– भाषा विज्ञान – प्रभात प्रकाशन दरियागंज दिल्ली
5. डॉ॰ फूलचन्द जैन– प्राकृत भाषा विमर्श– बी.एल. इन्सटिच्यूट, दिल्ली
6. डॉ॰ नेमिचन्द्र शास्त्री – अभिनव प्राकृत व्याकरण – तारा बुक एजेन्सी सिगरा, वाराणसी
7. युवाचार्य महाप्रज्ञ– प्राकृत वाक्य रचना बोध –जैन विश्वभारती लाडनू (राजस्थान)
8. ज्ञान मुनि – प्राकृत व्याकरण– आचार्य श्री आत्माराम जैन मॉडल स्कूल–29डी, कमला नगर, दिल्ली–7
9- P.L. Vaidya - Prakrit Grammar of Hemchandra- Bhandarkar Oriental Research Institute, Pune- 1411004

C.7 Reference Books & Readings

1. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Book]. [Publisher].
2. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Article]. [Journal Name], [Volume]([Issue]), [pp. XX–XX].
3. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Book]. [Publisher].

C.7 Suggested E-Resources / Digital Repositories

- SWAYAM / NPTEL: [Relevant Course Name and Link]
- e-PG Pathshala: [Subject Portal Link]
- SHODHGANGA / Shodhgangotri — for research thesis reference
- NDL India (National Digital Library): ndl.gov.in
- [Any other relevant Open Educational Resource]

24/7/26
(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

C.8 Assessment Pattern & Question Paper Design

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

Internal Assessment (20 marks) breakdown:

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

Note: *Generic/Open Elective–I (Course Code) and II (Course Code) courses in Semester- I and Generic/Open Elective–III (Course Code) and IV (Course Code) courses in Semester- II of 2 Year Postgraduate Programme may be offered by an institution based on student demand, academic interest, and the availability of qualified faculty members. These courses shall be open to students of the concerned discipline as well as students from other disciplines, with the objective of promoting multidisciplinary and interdisciplinary learning in accordance with the principles of the National Education Policy (NEP), 2020.*

For fulfilment of the programme requirements, a student shall be required to successfully complete any one of the Generic Elective courses offered during the semester. The institution may decide to offer either or both of the Generic Elective courses, subject to academic feasibility, availability of faculty expertise, and student enrolment.

24/7/26

(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

C.1 Paper Identification

PAPER PROFILE

Paper Code	MA PK & J CC 102
Title of the Paper	Core Course I: अर्धमागधी आगम साहित्य
Programme / Subject	[MA] — [Prakrit And Jainology]
Semester	Semester I
Nature of Course	Core Course (CC)
L – T – P	3 – 1 – 0
Credits	4
Maximum Marks	100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30)
Duration of Examination	3 Hours

C.2 Marks Distribution

Component	Paper I	Practical	IA	Total (ESE+IA/ESE+PRAC)
End Semester Examination	70	—	—	70
Practical / Lab Work	—	30	—	30
Internal Assessment	—	—	30	30
Maximum Marks	**70**	**30**	**30**	**100**
Passing Marks	**32**	**13**	**13**	**45 (45%)**

Note: Internal Assessment shall be conducted on the basis of attendance, class tests, seminars, assignments, and viva voce as provided in the regulation.

C.3 Course Objectives (COBs)

COB No.	Course Objectives
COB 1	आगम साहित्य का अध्ययन करना एवं उपांग, छेदसूत्र, मूलसूत्र इत्यादि का ज्ञान प्राप्त करना
COB 2	लोक विजय एवं लोक सार के अध्ययन के पश्चात् आत्मा पर विजय प्राप्त करने की युक्ति की जानकारी लेना
COB 3	परिज्ञा का विस्तृत ज्ञान प्राप्त करना
COB 4	आनंद और सद्दालपुत्त की कहानी के माध्यम से अपना चरित्र निर्माण करना
COB 5	वचन और मन की शुद्धि के लिए भगवान महावीर द्वारा दिये गये उपदेशों का अध्ययन करना

24/7/26

C.4 Course Outcomes (COs)

CLO No.	Course Learning Outcome
CLO 1	अर्धमागधी आगम के ग्रंथों के आधार पर मनुष्य को अपना चरित्र निर्माण करने के लिए यह अध्याय उपयोगी है।
CLO 2	अधर्म पर धर्म की विजय किस प्रकार से होती है इस अध्याय के अन्तर्गत वर्णित है।
CLO 3	ज्ञान के आधार पर शिक्षा और शिक्षा के आधार पर कर्म करना ही इस अध्याय का मूल उद्देश्य है।
CLO 4	कहानी के माध्यम से आनंद तथा सद्दालपुत्त के जीवन से ज्ञान हासिल करना इस ग्रन्थ का मूल भाव है।

C.5 Syllabus — Unit-wise Breakdown

Course Name:PRAKRIT AND JAINOLOGY		
Unit	Content	Suggested Lectures hours
I	आगम साहित्य का इतिहास, अंग साहित्य, उपांग साहित्य, छेदसूत्र, मूल सूत्र, प्रकीर्णक, चूलिका आदि का संक्षिप्त परिचय	12–15
II	आचारांग सूत्र – प्रथम श्रुतस्कन्ध द्वितीय अध्ययन– लोक विजय एवं पंचम अध्ययन–लोकसार	12–15
III	सूत्रकृतांग सूत्र– प्रथम श्रुतस्कन्ध से चतुर्थ अध्ययन–स्त्री–परिज्ञा एवं षष्ठ अध्ययन– महावीर स्तव (वीर स्तुति)	12–15
IV	उपासकदशाघ्ययन प्रथम अध्ययन–गाथापति आनंद एवं सातवाँ अध्ययन–सकडालपुत्त	12–15
V	दशवैकालिक सूत्र षष्ठ अध्ययन--महाचार कथा एवं सातवाँ अध्ययन– वक्कसुद्धि (वाक्य शुद्धि)	12-15
Total Suggested Lectures		**60 (For 4 Credit Course)**
Total Suggested Contact Hours For Practical/Field Work Courses		**120 Hours/Semester**

24/07/26

C.6 Prescribed Textbooks

1. डॉ॰ नेमिचन्द्र शास्त्री – प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – तारा बुक एजेन्सी सिगरा वाराणसी

2. डॉ. जगदीश चन्द्र जैन – प्राकृत साहित्य का इतिहास – चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

3. युवाचार्य मधुकर मुनि – आचारांग सूत्र – श्री आगम प्रकाशन समिति व्यायावर राजस्थान

4. युवाचार्य मधुकर मुनि – सूत्र कृतांग सूत्र – श्री आगम प्रकाशन समिति– व्यायावर राजस्थान

5. युवाचार्य मधुकर मुनि – सूत्र कृतांग सूत्र–उवासगदसाओ – श्री आगम प्रकाशन समिति, व्यायावर राजस्थान

6. युवाचार्य मधुकर मुनि –सूत्र कृतांग सूत्र – दशवैकालिक सूत्र – श्री आगम प्रकाशन समिति, व्यायावर राजस्थान

7. डॉ. हरिशंकर पाण्डेय – प्राकृत एवं जैनागम साहित्य –लक्ष्मी पब्लिकेशन, शन्ति कुटीर, कतीरा, आरा

8. डॉ. सी.डी. राय एवं डॉ. हरेन्द्र प्रसाद सिंह– अर्धमागधी आगम के संकलित गद्य एवं पद्य – प्राच्य साहित्य प्रकाशन गाँधी नगर, कतीरा, आरा

9- डॉ. विश्वनाथ चौधरी एवं डॉ. मंजुवाला – अर्धमागधी प्राकृत साहित्य का इतिहास – प्राकृत जैवशास्त्र एवं अहिंसा शोध संस्थान वैशाली, मुजफ्फरपुर

C.7 Reference Books & Readings

4. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Book]. [Publisher].
5. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Article]. [Journal Name], [Volume]([Issue]), [pp. XX–XX].
6. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Book]. [Publisher].

24/07/26

C.7 Suggested E-Resources / Digital Repositories

- SWAYAM / NPTEL: [Relevant Course Name and Link]
- e-PG Pathshala: [Subject Portal Link]
- SHODHGANGA / Shodhgangotri — for research thesis reference
- NDL India (National Digital Library): ndl.gov.in
- [Any other relevant Open Educational Resource]

C.8 Assessment Pattern & Question Paper Design

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

Internal Assessment (20 marks) breakdown:

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

Note: *Generic/Open Elective–I (Course Code) and II (Course Code) courses in Semester- I and Generic/Open Elective–III (Course Code) and IV (Course Code) courses in Semester- II of 2 Year Postgraduate Programme may be offered by an institution based on student demand, academic interest, and the availability of qualified faculty members. These courses shall be open to students of the concerned discipline as well as students from other disciplines, with the objective of promoting multidisciplinary and interdisciplinary learning in accordance with the principles of the National Education Policy (NEP), 2020.*

For fulfilment of the programme requirements, a student shall be required to successfully complete any one of the Generic Elective courses offered during the semester. The institution may decide to offer either or both of the Generic Elective courses, subject to academic feasibility, availability of faculty expertise, and student enrolment.

24/7/26

C.1 Paper Identification

PAPER PROFILE

Paper Code	MA PK & J CC 103
Title of the Paper	Core Course I: जैन दर्शन
Programme / Subject	[MA] — [Prakrit And Jainology]
Semester	Semester I
Nature of Course	Core Course (CC)
L – T – P	3 – 1 – 0
Credits	4
Maximum Marks	100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30)
Duration of Examination	3 Hours

C.2 Marks Distribution

Component	Paper I	Practical	IA	Total (ESE+IA/ESE+PRAC)
End Semester Examination	70	—	—	70
Practical / Lab Work	—	30	—	30
Internal Assessment	—	—	30	30
Maximum Marks	**70**	**30**	**30**	**100**
Passing Marks	**32**	**13**	**13**	**45 (45%)**

Note: Internal Assessment shall be conducted on the basis of attendance, class tests, seminars, assignments, and viva voce as provided in the regulation.

C.3 Course Objectives (COBs)

COB No	Course Objectives
COB 1	अस्तिकाय और ज्ञान के आधार पर द्रव्य के स्वरूप का अध्ययन करना
COB 2	जीव और अजीव तत्व का गुण और मार्गणा के आधार पर अध्ययन करना
COB 3	दिगम्बर और श्वेताम्बर दोनों सम्प्रदाय में मान्यग्रंथ तत्वार्थसूत्र का विस्तृत अध्ययन करना ।
COB 4	जीव–अजीव संबंधी छः द्रव्यों का अध्ययन करना
COB 5	नियम सार में मोक्ष प्राप्ति के मार्ग को सम्यग्दर्शन, सम्यग्ज्ञान तथा सम्यग्चारित्र के आधार पर वर्णन किया गया है। जिसका अध्ययन करना है ।

24/7/26

C.4 Course Outcomes (COs)

CLO No.	Course Learning Outcome
CLO 1	जैनदर्शन के अध्ययन के आधार पर ज्ञान के विभिन्न स्वरूपों का अध्ययन करना ही इस पाठ का मूल उद्देश्य है।
CLO 2	जीवकांड और कर्मकांड के आधार पर मनुष्य जीवन में होने वाले कर्मों तथा कर्म फल का अध्ययन इस पाठ के माध्यम से किया जाएगा ।
CLO 3	जैन तथा जैनेत्तर व्रत तथा मोक्ष प्राप्ति के साधन का अध्ययन इस पाठ से किया जा सकता है ।
CLO 4	द्रव्य, तत्व और नियम के आधार पर जिस ज्ञान को प्राप्त किया जा सकता है उसका वर्णन नियमसार पाठ के अन्तर्गत किया जाएगा ।

C.5 Syllabus — Unit-wise Breakdown

Course Name:PRAKRIT AND JAINOLOGY		
Unit	Content	Suggested Lectures hours
I	ज्ञान के स्वरूप, द्रव्य के स्वरूप एवं अस्तिकाय के स्वरूप का सामान्य परिचय	12–15
II	गोम्मटसार (जीवकाण्ड)–गुणस्थान,मार्गणास्थान	12–15
III	तत्वार्थसूत्र सप्तम अध्याय– व्रत, दशम अध्याय–मोक्ष	12–15
IV	द्रव्यसंग्रह सम्पूर्ण	12–15
V	नियमसार : प्रथम छः अधिकार	12-15
	Total Suggested Lectures	**60 (For 4 Credit Course)**
	Total Suggested Contact Hours For Practical/Field Work Courses	**120 Hours/Semester**

24/07/26

C.6 Prescribed Textbooks

1. डॉ. महेन्द्र कुमार जैन – जैन दर्शन – श्री गणेश वर्णी दिगम्बर जैन संस्थान वाराणसी
2. डॉ. मोहन लाल मेहता –जैन धर्मदर्शन – पार्श्वनाथ विद्याश्रम शोध संस्थान, वाराणसी

3. डॉ. सागरमल जैन– जैन धर्म दर्शन एवं संस्कृति – पार्श्वनाथ विद्याश्रम शोध संस्थान, वाराणसी

4. पंडित सुखलाल संघवी – तत्वार्थसूत्र – पार्श्वनाथ विद्याश्रम शोध संस्थान, वाराणसी

5. पं॰ कैलाशचन्द्र शास्त्री– द्रव्यसंग्रह – भा॰ दिगम्बर जैन संघ, चौरासी मथुरा

6. शोभा कुमार भरिल्ल – द्रव्यसंग्रह – पंडित टोडर मल स्मारक ट्रस्ट, जयपुर।

7. नेमिचन्द्र सिद्धान्त चक्रवर्ती– गोम्मटसार – श्री परमश्रुत प्रभावक मण्डल, श्रीमद् राजचन्द्र, जैनशास्त्र, माला, आगरा

8. आचार्य कुन्दकुन्द – नियमसार – अजिताश्रम, लखनउ।

9. आचार्य कुन्दकुन्द – नियमसार – दिगम्बर जैन त्रिलोक शोध संस्थान हस्तिनापुर–

10. कैलाश चन्द्र शास्त्री– मेरठ जैन धर्म – प्राच्य श्रमण भारती, मुजफ्फरनगर, दिल्ली।

C.7 Reference Books & Readings

7. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Book]. [Publisher].
8. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Article]. [Journal Name], [Volume]([Issue]), [pp. XX–XX].
9. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Book]. [Publisher].

C.7 Suggested E-Resources / Digital Repositories

- SWAYAM / NPTEL: [Relevant Course Name and Link]
- e-PG Pathshala: [Subject Portal Link]
- SHODHGANGA / Shodhgangotri — for research thesis reference
- NDL India (National Digital Library): ndl.gov.in
- [Any other relevant Open Educational Resource]

24/7/26

C.8 Assessment Pattern & Question Paper Design

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

Internal Assessment (20 marks) breakdown:

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

Note: *Generic/Open Elective–I (Course Code) and II (Course Code) courses in Semester- I and Generic/Open Elective–III (Course Code) and IV (Course Code) courses in Semester- II of 2 Year Postgraduate Programme may be offered by an institution based on student demand, academic interest, and the availability of qualified faculty members. These courses shall be open to students of the concerned discipline as well as students from other disciplines, with the objective of promoting multidisciplinary and interdisciplinary learning in accordance with the principles of the National Education Policy (NEP), 2020.*

For fulfilment of the programme requirements, a student shall be required to successfully complete any one of the Generic Elective courses offered during the semester. The institution may decide to offer either or both of the Generic Elective courses, subject to academic feasibility, availability of faculty expertise, and student enrolment.

24/7/26

C.1 Paper Identification

PAPER PROFILE

Paper Code	MA PK & J CC 104
Title of the Paper	Core Course I: अपभ्रंश ग्रन्थ एवं प्राकृत कथा
Programme / Subject	[MA] — [Prakrit And Jainology]
Semester	Semester I
Nature of Course	Core Course (CC)
L – T – P	3 – 1 – 0
Credits	4
Maximum Marks	100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30)
Duration of Examination	3 Hours

C.2 Marks Distribution

Component	Paper I	Practical	IA	Total (ESE+IA/ESE+PRAC)
End Semester Examination	70	—	—	70
Practical / Lab Work	—	30	—	30
Internal Assessment	—	—	30	30
Maximum Marks	**70**	**30**	**30**	**100**
Passing Marks	**32**	**13**	**13**	**45 (45%)**

Note: Internal Assessment shall be conducted on the basis of attendance, class tests, seminars, assignments, and viva voce as provided in the regulation.

C.3 Course Objectives (COBs)

COB No.	Course Objectives
COB 1	विभिन्न प्राकृतों में उपयोग होने वाली बोली एक अपभ्रंश बोली भी है जिसका महत्व इस शीर्षक के अन्तर्गत वर्णित है।
COB 2	अपभ्रंश भाषा में रचित पद्म नाम भगवान राम के जीवन में होने वाली घटनाओं का वर्णन इस पाठ के अन्तर्गत किया गया है।
COB 3	प्राकृत के रहस्यवादी काव्य पाहुडदोहा के अन्तर्गत आत्मा और परमात्मा एवं गुरू के महत्ता को इस पाठ में बतलाया गया है।
COB 4	धर्म कथा समराइच्च कहा के माध्यम से आचार्य गुणसेन एवं अग्निशर्मा के जीवन चरित्र का वर्णन इस पाठ के अन्तर्गत किया गया है।
COB 5	भविष्यत्त कथा के माध्यम से व्यापार करने की तकनीक इस पाठ के अन्तर्गत वर्णित है।

24/07/26

C.4 Course Outcomes (COs)

CLO No	Course Learning Outcome
CLO 1	अपभ्रंश ग्रंथ के माध्यम से हम प्राचीन भाषाओं की जानकारी प्राप्त करते हैं एवं भारतीय संस्कृति का ज्ञान इस भाषा के माध्यम से प्राप्त किया जाएगा ।
CLO 2	प्राकृत भाषा में वर्णित पाउमचरिउ में भगवान राम के जीवन चरित्र का वर्णन किया गया है।
CLO 3	रहस्यवादी काव्य पाउडदोहा में जीवन के रहस्य को बतलाया गया है। जो आम जीवन के लिए बहुत ही उपयोगी है।
CLO 4	समरादित्त कथा एवं भविष्यदत्त कथा के माध्यम से सामाजिक जीवन में होने वाली धार्मिक और पारिवारिक समस्याओं का विवेचन किया गया है।

24/7/26

C.5 Syllabus — Unit-wise Breakdown

Course Name: PRAKRIT AND JAINOLOGY		
Unit	Content	Suggested Lectures hours
I	अपभ्रंश साहित्य की पृष्ठभूमि, अपभ्रंश के महाकाव्य, खण्ड काव्य का सामान्य परिचय	12–15
II	पउमचरिउ (स्वयंभूकृत)संधि, 22वीं, 23वीं एवं 24वीं	12–15
III	पाहुडदोहा(मुनिराम सिंह कृत)–प्रथम 100 गाथा	12–15
IV	समराइच्च कहा (प्रथमभव) हरिभद्र सूरि विरचित	12–15
V	भविष्सयत्त कहा प्रथम 100 गाथा महेश्वर सूरिकृत प्रथम छः अधिकार	12-15
	Total Suggested Lectures	**60 (For 4 Credit Course)**
	Total Suggested Contact Hours For Practical/Field Work Courses	**120 Hours/Semester**

C.6 Prescribed Textbooks

1. डॉ॰ नेमिचन्द्र शास्त्री – प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – तारा बुक एजेन्सी सिगरा वाराणसी

2. डॉ. देवेन्द्र कुमार शास्त्री – अपभ्रंश साहित्य की शोध प्रवृतियाँ– भारतीय ज्ञानपीठ दिल्ली

3. डॉ. रामगोपाल शर्मा 'दिनेश' – अपभ्रंश भाषा का व्याकरण एवं साहित्य – राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी

4. डॉ. हरिवंश कोछड़– अपभ्रंश साहित्य – सुरेन्दर प्रिन्टर्स, दिल्ली

5. स्वयंभूकृत– पउमचरिउ – भारतीय ज्ञान पीठ, दिल्ली

6. डॉ. हरेन्द्र प्रसाद सिंह – पाहुडदोहा संग्रह– प्राच्य साहित्य प्रकाशन, गांधी नगर, कतीरा, आरा

7. डॉ. ए.एन. उपाध्याय– पाहुडदोहा – सिंधि ग्रन्थ माला बम्बई

8. डॉ. दुधनाथ चौधरी – भविस्सयत कहा (महेश्वर सूरिकृत) – प्राच्य विद्या अध्ययन केन्द्र, कैलाश नगर गोढ़ना रोड, अनाईठ, आरा

9. डॉ. देवेन्द्र कुमार शास्त्री – अपभ्रंश साहित्य एवं भविष्यत्त कहा – भारतीय ज्ञान पीठ दिल्ली

10. डॉ. रमेशचन्द्र जैन – समराइच्च कहा – भारतीय ज्ञान पीठ, दिल्ली

11- डॉ. नेमिचनद्र शास्त्री – हरिभद्र कथा साहित्य का आलोचनात्मक अध्ययन – प्राकृत जैन शास्त्र एवं अहिंसा शोध संस्थान, वैशाली, मुजफ्फरपुर

C.7 Reference Books & Readings

10. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Book]. [Publisher].
11. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Article]. [Journal Name], [Volume]([Issue]), [pp. XX–XX].
12. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Book]. [Publisher].

C.7 Suggested E-Resources / Digital Repositories

- SWAYAM / NPTEL: [Relevant Course Name and Link]
- e-PG Pathshala: [Subject Portal Link]
- SHODHGANGA / Shodhgangotri — for research thesis reference
- NDL India (National Digital Library): ndl.gov.in
- [Any other relevant Open Educational Resource]

24/07/26

C.8 Assessment Pattern & Question Paper Design

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

Internal Assessment (20 marks) breakdown:

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

Note: *Generic/Open Elective–I (Course Code) and II (Course Code) courses in Semester- I and Generic/Open Elective–III (Course Code) and IV (Course Code) courses in Semester- II of 2 Year Postgraduate Programme may be offered by an institution based on student demand, academic interest, and the availability of qualified faculty members. These courses shall be open to students of the concerned discipline as well as students from other disciplines, with the objective of promoting multidisciplinary and interdisciplinary learning in accordance with the principles of the National Education Policy (NEP), 2020.*

For fulfilment of the programme requirements, a student shall be required to successfully complete any one of the Generic Elective courses offered during the semester. The institution may decide to offer either or both of the Generic Elective courses, subject to academic feasibility, availability of faculty expertise, and student enrolment.

24/7/25

C.1 Paper Identification

PAPER PROFILE

Paper Code	MA PK & J GE 105
Title of the Paper	Core Course I: प्राचीन अभिलेख
Programme / Subject	[MA] — [Prakrit And Jainology]
Semester	Semester I
Nature of Course	Core Course (CC)
L – T – P	3 – 1 – 0
Credits	4
Maximum Marks	100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30)
Duration of Examination	3 Hours

C.2 Marks Distribution

Component	Paper I	Practical	IA	Total (ESE+IA/ESE+PRAC)
End Semester Examination	70	—	—	70
Practical / Lab Work	—	30	—	30
Internal Assessment	—	—	30	30
Maximum Marks	**70**	**30**	**30**	**100**
Passing Marks	**32**	**13**	**13**	**45 (45%)**

Note: Internal Assessment shall be conducted on the basis of attendance, class tests, seminars, assignments, and viva voce as provided in the regulation.

C.3 Course Objectives (COBs)

COB No.	Course Objectives
COB 1	सम्राट अशोक के सात स्तम्भ लेखों का वर्णन इस शीर्षक के अन्तर्गत किया गया है।
COB 2	सम्राट अशोक के 14 धर्म लेखों का वर्णन इस पाठ के अन्तर्गत वर्णित है।
COB 3	घटयाल प्रस्तर लेख जो कक्कुक द्वारा लिखवाया गया था उसका वर्णन प्रस्तुत पाठ के अन्तर्गत वर्णित है।
COB 4	खारवेल के हाथी गुंफा शिलालेख का वर्णन प्रस्तुत पाठ के अन्तर्गत वर्णित है।
COB 5	भारतीय सभ्यता और संस्कृति के विवेचन प्राचीन समय में जिस प्रकार किया गया था उसका वर्णन पुरातात्विक सर्वेक्षण के द्वारा किस प्रकार प्राप्त किया जाएगा इस पाठ के अन्तर्गत विवेचित है।

24/07/26

C.4 Course Outcomes (COs)

CLO No.	Course Learning Outcome
CLO 1	सम्राट अशोक के समय प्राकृत एक जनबोली थी जिसका वर्णन सम्राट अशोक के सप्तस्तंभ लेख के अन्तर्गत प्राप्त होता है।
CLO 2	सम्राट अशोक के धर्मलेखों में जनभाषा के रूप में तथा राज्यभाषा के रूप में प्राकृत को ही गौरव प्राप्त था इस पाठ के अन्तर्गत वर्णित है।
CLO 3	सम्राट कक्कुक द्वारा दिये गये उपदेशों का पालन मनुष्य जीवन में किस प्रकार किया जाएगा इस पाठ के अन्तर्गत वर्णित है।
CLO 4	खारवेल द्वारा हाथीगुंफा अभिलेख में प्राकृत एवं ब्राह्मी लिपि का प्रयोग इस पाठ के अर्न्गत मिलता है जिसमें भारत वर्ष का नाम भरध–वस था जिसके विषय में हमें पूर्ण जानकारी मिलती है।

C.5 Syllabus — Unit-wise Breakdown

Course Name:PRAKRIT AND JAINOLOGY		
Unit	Content	Suggested Lectures hours
I	अशोक के सात स्तम्भलेख	12–15
II	अशोक के 14 धर्मलेख	12–15
III	कक्कुक का घटयाल प्रस्तर लेख	12–15
IV	खारवेल का हाथी गुम्फा अभिलेख	12–15
V	भारतीय सांस्कृतिक विरासतों का पुरातात्विक सर्वेक्षण	12-15
	Total Suggested Lectures	**60 (For 4 Credit Course)**
	Total Suggested Contact Hours For Practical/Field Work Courses	**120 Hours/Semester**

C.6 Prescribed Textbooks

1. डॉ॰ नेमिचन्द्र शास्त्री –प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – तारा बुक एजेन्सी सिगरा वाराणसी
2. डॉ. उमाशंकर ऋषि शर्मा– सप्तस्तम्भ लेख – मोतीलाल बनारसीदास, पटना
3. परमेश्वरीलाल गुप्त– अभिलेखीय साहित्य – विश्वभारती प्रकाशन, वाराणसी

4- डॉ. हरेन्द्र प्रसाद सिंह – प्राचीन प्राकृत अभिलेख माला – प्राच्य साहित्य प्रकाशन, गांधी नगर, कतीरा, आरा

5- डॉ. चितरंजन प्रसाद सिन्हा– प्राचीन भारतीय अभिलेखीय एवं लिपि– पुष्पा प्रकाशन, आर. ब्लॉक, पटना।

C.7 Reference Books & Readings

13. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Book]. [Publisher].
14. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Article]. [Journal Name], [Volume]([Issue]), [pp. XX–XX].
15. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Book]. [Publisher].

C.7 Suggested E-Resources / Digital Repositories

- SWAYAM / NPTEL: [Relevant Course Name and Link]
- e-PG Pathshala: [Subject Portal Link]
- SHODHGANGA / Shodhgangotri — for research thesis reference
- NDL India (National Digital Library): ndl.gov.in
- [Any other relevant Open Educational Resource]

C.8 Assessment Pattern & Question Paper Design

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

Internal Assessment (20 marks) breakdown:

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

24/07/26

Note: *Generic/Open Elective–I (Course Code) and II (Course Code) courses in Semester- I and Generic/Open Elective–III (Course Code) and IV (Course Code) courses in Semester- II of 2 Year Postgraduate Programme may be offered by an institution based on student demand, academic interest, and the availability of qualified faculty members. These courses shall be open to students of the concerned discipline as well as students from other disciplines, with the objective of promoting multidisciplinary and interdisciplinary learning in accordance with the principles of the National Education Policy (NEP), 2020.*

For fulfilment of the programme requirements, a student shall be required to successfully complete any one of the Generic Elective courses offered during the semester. The institution may decide to offer either or both of the Generic Elective courses, subject to academic feasibility, availability of faculty expertise, and student enrolment.

C.1 Paper Identification

PAPER PROFILE

Paper Code	MA PK & J GE 106
Title of the Paper	Core Course I: जीवनोपयोगी तत्व (महावीर एवं बुद्ध के जीवन से सम्बन्धित)
Programme / Subject	[MA] — [Prakrit And Jainology]
Semester	Semester I
Nature of Course	Core Course (CC)
L – T – P	2 – 0 – 0
Credits	2
Maximum Marks	100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30)
Duration of Examination	3 Hours

C.2 Marks Distribution

Component	Paper I	Practical	IA	Total (ESE+IA/ESE+PRAC)
End Semester Examination	70	—	—	70
Practical / Lab Work	—	30	—	30
Internal Assessment	—	—	30	30
Maximum Marks	**70**	**30**	**30**	**100**
Passing Marks	**32**	**13**	**13**	**45 (45%)**

Note: Internal Assessment shall be conducted on the basis of attendance, class tests, seminars, assignments, and viva voce as provided in the regulation.

C.3 Course Objectives (COBs)

COB No	Course Objectives
COB 1	भगवान महावीर के जीवन से संबंधित घटनाओं का वर्णन किया गया है।
COB 2	तथागत बुद्ध के जीवन परिचय और तपस्या से संबंधित विषयों पर विचार किया गया है।
COB 3	जैन तथा बौद्ध धर्म में वर्णित व्रत, साधना इत्यादि का वर्णन प्रस्तुत पाठ में किया गया है।
COB 4	चित्त की एकाग्रता ध्यान योग्य का विवेचन प्रस्तुत पाठ में किया गया है।
COB 5	दया, क्षमा अहिंसा जीवनोपयोगी विषय वस्तु पर प्रकाश प्रस्तुत अध्याय के अन्तर्गत वर्णित है।

24/07/26

C.4 Course Outcomes (COs)

CLO No.	Course Learning Outcome
CLO 1	विद्यार्थियों के जीवन में जिस चरित्र निर्माण की आवश्यकता है उसका विवेचन भगवान महावीर और बुद्ध के जीवन से प्राप्त करना इस पाठ का उद्देश्य है।
CLO 2	वर्तमान परिपेक्ष्य में व्रत और साधना तथा अनेकान्तवाद के ज्ञान से चरित्र का निर्माण होगा इसलिए यह विषयवस्तु विद्यार्थी जीवन के लिए अत्यन्त उपयोगी है।
CLO 3	ध्यान ज्ञान को बलवान बनाता है, मनोविकारों का अभाव रचनात्मकता इत्यादि का विकास प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य है।
CLO 4	वर्तमान परिपेक्ष्य में ध्यान के साथ साथ वचन शुद्धि, दान, अहिंसा इत्यादि विविध विधियों का प्रयोग इस पाठ के माध्यम से किया जा सकता है।

C.5 Syllabus — Unit-wise Breakdown

Course Name: PRAKRIT AND JAINOLOGY		
Unit	Content	Suggested Lectures hours
I	भगवान महावीर का जीवन परिचय एवं तपस्या	12–15
II	तथागतबुद्ध का जीवन परिचय एवं तपस्या	12–15
III	अनेकान्तवाद, व्रत, साधना, समाधि, शील, साधना	12–15
IV	योग, ध्यान, ज्ञान, विवेक, मोक्ष का सामान्य परिचय	12–15
V	वचनशुद्धि, दया, दान, क्षमा, परिग्रह, अहिंसा, बह्मचर्य	12-15
	Total Suggested Lectures	**60 (For 4 Credit Course)**
	Total Suggested Contact Hours For Practical/Field Work Courses	**120 Hours/Semester**

C.6 Prescribed Textbooks

1. महावीर सरन जैन – भगवान महावीर का जीवन दर्शन –कुन्दकुन्द प्रकाशन वाराणसी

2. जीवनी और प्रेरणादायक विचार – भगवान महावीर –– हिंद पॉकेट बुक्स

3. ज्ञान चन्द्र जैन – निगंठ ज्ञातपुत्र– उत्तर प्रदेश सरकार

4. पी.वी. बापट – बौद्ध धर्म के 2500 वर्ष – नेशनल बुक, ट्रस्ट, नई दिल्ली

24/07/26

C.7 Reference Books & Readings

16. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Book]. [Publisher].
17. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Article]. [Journal Name], [Volume]([Issue]), [pp. XX–XX].
18. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Book]. [Publisher].

C.7 Suggested E-Resources / Digital Repositories

- SWAYAM / NPTEL: [Relevant Course Name and Link]
- e-PG Pathshala: [Subject Portal Link]
- SHODHGANGA / Shodhgangotri — for research thesis reference
- NDL India (National Digital Library): ndl.gov.in
- [Any other relevant Open Educational Resource]

C.8 Assessment Pattern & Question Paper Design

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

Internal Assessment (20 marks) breakdown:

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

Note: *Generic/Open Elective–I (Course Code) and II (Course Code) courses in Semester- I and Generic/Open Elective–III (Course Code) and IV (Course Code) courses in Semester- II of 2 Year Postgraduate Programme may be offered by an institution based on student demand, academic interest, and the availability of qualified faculty members. These courses shall be open to students of the concerned discipline as well as students from other disciplines, with the objective of promoting multidisciplinary and interdisciplinary learning in accordance with the principles of the National Education Policy (NEP), 2020.*

For fulfilment of the programme requirements, a student shall be required to successfully complete any one of the Generic Elective courses offered during the semester. The institution may decide to offer either or both of the Generic Elective courses, subject to academic feasibility, availability of faculty expertise, and student enrolment.

24/7/26

PART D — GENERAL REGULATIONS & PROVISIONS

D.1 Attendance & Eligibility

- A student must have a minimum of 75% attendance in each paper to be eligible to appear in the Semester / Annual Examination.
- Condonation of attendance deficiency shall be governed by the Regulation..
- A student detained due to shortage of attendance may appear to the examinations of same semester in the next academic session subject to payment of prescribed fees.

D.2 Examination & Promotion Rules

- A student is required to clear **at least** 60% (4 out of 6) papers of a particular Semester before being promoted to the succeeding Semester.
- Back / Ex-Student candidates shall be governed by the rules in force at the time of their original admission unless otherwise specifically notified.
- A candidate who fails in one or more papers shall be required to appear only in the failed paper(s) (Carry Forward System) in subsequent examinations of the same Semester.
- A candidate is required to clear all his papers within a maximum of **Five Years of duration** to qualify for the degree.

D.3 Grading System (CBCS)

Letter Grade	% Range	Grade Point	Performance Description	Remarks
O	≥90-100	10	Outstanding	Pass
A+	≥80<90	9	Excellent	Pass
A	≥70<80	8	Very Good	Pass
B+	≥60<70	7	Good	Pass
B	≥55<60	6	Above Average	Pass
C	≥50<55	5	Average	Pass
P	≥45<50	4	Pass	Pass
F	<45	0	Fail	Fail
Ab/M	0	0	Absent/Malpractice	Fail / Reappear

PART E — ABBREVIATIONS & AUTHENTICATION

E.1 List of Abbreviations

Abbr.	Expansion	Abbr.	Expansion
CC	Core Course	**DSE**	Discipline Specific Elective
GE	Generic Elective	**OE**	Open Elective
AEC	Ability Enhancement Course	**VAC**	Value Added Course
SEC	Skill Enhancement Course	**IKS**	Indian Knowledge System
L	Lecture (hours per week)	**T**	Tutorial (hours per week)
P	Practical (hours per week)	**IA**	Internal Assessment
CCA	Continuous & Comprehensive Assess.	**CLO**	Course Learning Outcome
PLO	Programme Learning Outcome	**GA**	Graduate Attribute
NHEQF	National HE Qualifications Framework	**PROJ**	Project / Dissertation

C.1 Paper Identification

II Semester

PAPER PROFILE

Paper Code	MA PK & J CC 205
Title of the Paper	Core Course I: शौरसेनी आगम साहित्य
Programme / Subject	[MA] — [Prakrit And Jainology]
Semester	Semester II
Nature of Course	Core Course (CC)
L – T – P	3 – 1 – 0
Credits	4
Maximum Marks	100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30)
Duration of Examination	3 Hours

C.2 Marks Distribution

Component	Paper I	Practical	IA	Total (ESE+IA/ESE+PRAC)
End Semester Examination	70	—	—	70
Practical / Lab Work	—	30	—	30
Internal Assessment	—	—	30	30
Maximum Marks	**70**	**30**	**30**	**100**
Passing Marks	**32**	**13**	**13**	**45 (45%)**

Note: Internal Assessment shall be conducted on the basis of attendance, class tests, seminars, assignments, and viva voce as provided in the regulation.

C.3 Course Objectives (COBs)

COB No	Course Objectives
COB 1	शौरसेनी आगम साहित्य का उपयोग जैन धर्म के मौलिकता से संबंधित है।
COB 2	आचार्य कुन्दकुन्द द्वारा दिये गये प्रवचन का विवेचन प्रवचनसार नामक ग्रंथ में किया गया है।
COB 3	स्वसमय तथा परसमय का विवेचन समयसार नामक ग्रंथ में किया गया है।
COB 4	अस्तिकाय का संबंध अस्तित्व से है जिसका वर्णन पंचास्तिकाय में किया गया है।
COB 5	स्वामी कार्तिकेय द्वारा बारह अधिकारों का वर्णन कार्तिक ज्ञानोप्रेक्षा में किया गया है।

24/7/26

C.4 Course Outcomes (COs)

CLO No.	Course Learning Outcome
CLO 1	सिद्धांत कर्म और आचार्य का विवेचन मनुष्य के जीवन शैली का एक अंग है जो प्रस्तुत पाठ में विस्तृत रूप से प्राप्त होता है।
CLO 2	भगवान महावीर द्वारा दिया गया प्रवचन, प्रवचनसार के उद्देश्यों को दर्शाता है।
CLO 3	समय मूल्यवान है। जैसा व्यक्ति का अपना समय है वैसा ही समय दूसरे के लिए भी समझना चाहिए इस पाठ के अध्ययन का मुख्य उद्देश्य यही है।
CLO 4	मनुष्य का स्वतंत्र अस्तित्व होता है, जो 5 अस्तिकायों के अंतर्गत विवेचित है। जिसका वर्णन इस पाठ के अंतर्गत किया गया है।

C.5 Syllabus — Unit-wise Breakdown

Course Name: PRAKRIT AND JAINOLOGY		
Unit	Content	Suggested Lectures hours
I	सिद्धान्त, कर्म और आचारात्मक शौरसेनी साहित्य एवं षट्खण्डागम,कसाय पाहुड तथा उनकी धवला और जयधवला टीकाओं का सामान्य परिचय।	12–15
II	प्रवचनसार–(आचार्य कुन्दकुन्दकृत)–प्रथम दो अधिकार	12–15
III	समयसार–(आचार्य कुन्दकुन्दकृत)–प्रथम अधिकार	12–15
IV	पंचास्तिकाय–(आचार्य कुन्दकुन्दकृत) – प्रथम अधिकार	12–15
V	कार्तिकेयानुप्रेक्षा–(स्वामि कुमार – विरचिता) –प्रथम दो अधिकार	12-15
	Total Suggested Lectures	**60 (For 4 Credit Course)**
	Total Suggested Contact Hours For Practical/Field Work Courses	**120 Hours/Semester**

24/07/26

C.6 Prescribed Textbooks

1. डॉ॰ नेमिचन्द्र शास्त्री – प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – तारा बुक एजेन्सी, सिगरा, वाराणसी
2. डॉ. जगदीश चन्द्र जैन – प्राकृत साहित्य का इतिहास – चौखम्बा बुक, वाराणसी
3. आचार्य कुन्दकुन्द – प्रवचनसार – परमश्रुत प्रभावक मण्डल, बम्बई।
4. आचार्य कुन्दकुन्द – समयसार – परमश्रुत प्रभावक मण्डल, बम्बई।

5. आचार्य कुन्दकुन्द – पंयास्तिकाय – परमश्रुत प्रभावक मण्डल, बम्बई।

6. डॉ. विश्वनाथ चौधरी – आचार्य कुन्दकुन्द और उनके प्रतिनिधि ग्रन्थ–
प्राकृत जैनशास्त्र एवं अहिंसा शोध संस्थान
वैशाली, मुजफ्फरपुर

7. डॉ. राजाराम जैन– शौरसेनी प्राकृत भाषा एवं उनके साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास –
जैन कुन्दकुन्द भारती अकादमी, दिल्ली ।

8- डॉ. विश्वनाथ चौधरी एवं मंजुवाला – शौरसेनी प्राकृत साहित्य का इतिहास – प्राकृत,
जैनशास्त्र एवं अहिंसा शोध संस्थान वैशाली, मुजफ्फरपुर ।

9- पं० कैलाश चन्द्र शास्त्री कृत हिन्दी भाषानुवादेन – कार्त्तिकेयानुप्रेक्षा – प्रकाशक श्री परमश्रुत
प्रभावक मण्डल, श्रीमद् राजचन्द्र आश्रम, अगास

C.7 Reference Books & Readings

19. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Book]. [Publisher].
20. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Article]. [Journal Name], [Volume]([Issue]), [pp. XX–XX].
21. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Book]. [Publisher].

C.7 Suggested E-Resources / Digital Repositories

- SWAYAM / NPTEL: [Relevant Course Name and Link]
- e-PG Pathshala: [Subject Portal Link]
- SHODHGANGA / Shodhgangotri — for research thesis reference
- NDL India (National Digital Library): ndl.gov.in
- [Any other relevant Open Educational Resource]

C.8 Assessment Pattern & Question Paper Design

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

24/07/26

Internal Assessment (20 marks) breakdown:

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

Note: *Generic/Open Elective–I (Course Code) and II (Course Code) courses in Semester- I and Generic/Open Elective–III (Course Code) and IV (Course Code) courses in Semester- II of 2 Year Postgraduate Programme may be offered by an institution based on student demand, academic interest, and the availability of qualified faculty members. These courses shall be open to students of the concerned discipline as well as students from other disciplines, with the objective of promoting multidisciplinary and interdisciplinary learning in accordance with the principles of the National Education Policy (NEP), 2020.*

For fulfilment of the programme requirements, a student shall be required to successfully complete any one of the Generic Elective courses offered during the semester. The institution may decide to offer either or both of the Generic Elective courses, subject to academic feasibility, availability of faculty expertise, and student enrolment.

24/07/26

C.1 Paper Identification

PAPER PROFILE

Paper Code	MA PK & J CC 206
Title of the Paper	Core Course I: प्राकृत के प्राचीन महाकाव्य
Programme / Subject	[MA] — [Prakrit And Jainology]
Semester	Semester II
Nature of Course	Core Course (CC)
L – T – P	3 – 1 – 0
Credits	4
Maximum Marks	100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30)
Duration of Examination	3 Hours

C.2 Marks Distribution

Component	Paper I	Practical	IA	Total (ESE+IA/ESE+PRAC)
End Semester Examination	70	—	—	70
Practical / Lab Work	—	30	—	30
Internal Assessment	—	—	30	30
Maximum Marks	**70**	**30**	**30**	**100**
Passing Marks	**32**	**13**	**13**	**45 (45%)**

Note: Internal Assessment shall be conducted on the basis of attendance, class tests, seminars, assignments, and viva voce as provided in the regulation.

C.3 Course Objectives (COBs)

COB No.	Course Objectives
COB 1	रामायण में वर्णित सेतुबन्ध के कार्यक्रम को आचार्य प्रवरसेन से प्राचीन ग्रंथ सेतुबन्ध नामक महाकाव्य में वर्णित किया है।
COB 2	कवि कोउहल ने महाराष्ट्री प्राकृत में रचित लीलावती /लीलावई नामक महाकाव्य में लीलावती के चरित्र के आधार पर सामाज में होने वाले विभिन्न प्रकार के होने वाले घटनाओं का वर्णन किया है।
COB 3	कृष्ण द्वारा कंस के वध के घटना का वर्णन कंसवहो नामक खण्डकाव्य में किया गया है जो विभिन्न सर्गों में वर्णित है।
COB 4	कृष्ण स्तुति का तथा विन्ध्यवासिनी स्तुती का वर्णन गउडवहो नामक महाकाव्य में किया गया है।
COB 5	कविवत्सल हाल ने गाथा सप्तशती नामक काव्य में श्रृंगारिक भावनाओं के साथ 700 गाथाओं के साथ संकलित किया है।

24/07/26

C.4 Course Outcomes (COs)

CLO No.	Course Learning Outcome
CLO 1	महाराष्ट्र प्रदेश में बोली जाने वाली महाराष्ट्री प्राकृत भाषा में रचित सेतुबन्ध नामक महाकाव्य में राम द्वारा सागर में बांधने वाले सेतु मार्ग का वर्णन किया गया है, जो रामायण का एक प्रमुख भाग है।
CLO 2	लीलावई महाकाव्य के पठन पाठन के पश्चात अलंकार योजनाओं का ज्ञान प्रस्तुत पाठ में प्राप्त होता है।
CLO 3	रामपाणिवादकृत कंसवहो नामक खण्डकाव्य के अध्ययन से अधर्म पर धर्म का विजय स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है।
CLO 4	धार्मिक दृष्टिकोण से कृष्णस्तुति और विन्ध्यस्तुति का बहुत महत्व है, जिसका वर्णन गाउडवहो महाकाव्य में प्राप्त होता है ।

C.5 Syllabus — Unit-wise Breakdown

Course Name: PRAKRIT AND JAINOLOGY		
Unit	Content	Suggested Lectures hours
I	सेतुबन्ध (प्रवरसेनकृत)–प्रथम दो आश्वास की विशेषता, प्रकृति चित्रण, रचयिता एवं दो आश्वास के गाथाओं का अध्ययन	12–15
II	लीलावई (कोउहल कविकृत)–विशेषता, रचयिता, कवि परिचय, कथावस्तु, अलंकार योजना एवं प्रथम 100 गाथाओं का अध्ययन	12–15
III	कंसवहो (रामपाणिवादकृत)– प्रथम दो सर्ग की विशेषता, रचयिता, अलंकार योजना, स्वरूप एवं प्रथम दो सर्ग के गाथाओं का अध्ययन	12–15
IV	गउडवहो (वाक्पतिराजकृत) प्रथम 100 गाथाओं का अध्ययन, विशेषता, रचयिता, कृष्णस्तुति प्रकरण, विन्ध्यस्तुति प्रकरण का अध्ययन	12–15
V	गाथा सप्तशती (कविवत्सल हॉलकृत) काव्यगत विशेषता, रचयिता, श्रृंगारिक भावनाओं का वर्णन, प्रेम एवं करूण रस का वर्णन एवं प्रथम 100 गाथाओं का विशिष्ट अध्ययन	12-15
Total Suggested Lectures		**60 (For 4 Credit Course)**
Total Suggested Contact Hours For Practical/Field Work Courses		**120 Hours/Semester**

24/07/26

C.6 Prescribed Textbooks

1. डॉ॰ नेमिचन्द्र शास्त्री –प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक अध्ययन – तारा बुक एजेन्सी, सिगरा, वाराणसी

2. डॉ. हरिशंकर पाण्डेय – सेतुबन्धम्– लक्ष्मी पब्लिकेशन, शान्ति कुटीर कतीरा, आरा (भोजपुर)

3. डॉ. राजाराम जैन–सेतुबन्ध– प्राच्च साहित्य प्रकाशन, महाजन टोली नं॰ 2, आरा (भोजपुर)

4. डॉ. राजाराम जैन – लीलावई कहा – प्राच्च साहित्य प्रकाशन, महाजन टोली नं॰ 2, आरा (भोजपुर)

5. डॉ॰ ए.एन. उपाध्याय – कंसवहो – सिंधि जैन ग्रन्थमाला, भारतीय विद्या भवन, बम्बई ।

6. डॉ॰ हरेन्द्र प्रसाद सिंह– कंसवहो – प्राच्च साहित्य प्रकाशन, गाँधी नगर, कतीरा आरा, भोजपुर

7. डॉ. मिथिलेश कुमारी मिश्र– गउडवहो– बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना

8. कतिवत्सलहॉल – गाथासत्तसई– चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी ।

9. डॉ. जगदीशचन्द्र जैन – प्राकृत साहित्य का इतिहास – चौखम्बा, विद्याभवन, वाराणसी

C.7 Reference Books & Readings

22. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Book]. [Publisher].
23. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Article]. [Journal Name], [Volume]([Issue]), [pp. XX–XX].
24. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Book]. [Publisher].

C.7 Suggested E-Resources / Digital Repositories

- SWAYAM / NPTEL: [Relevant Course Name and Link]
- e-PG Pathshala: [Subject Portal Link]
- SHODHGANGA / Shodhgangotri — for research thesis reference
- NDL India (National Digital Library): ndl.gov.in
- [Any other relevant Open Educational Resource]

24/07/26
(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

C.8 Assessment Pattern & Question Paper Design

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

Internal Assessment (20 marks) breakdown:

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

Note: *Generic/Open Elective–I (Course Code) and II (Course Code) courses in Semester- I and Generic/Open Elective–III (Course Code) and IV (Course Code) courses in Semester- II of 2 Year Postgraduate Programme may be offered by an institution based on student demand, academic interest, and the availability of qualified faculty members. These courses shall be open to students of the concerned discipline as well as students from other disciplines, with the objective of promoting multidisciplinary and interdisciplinary learning in accordance with the principles of the National Education Policy (NEP), 2020.*

For fulfilment of the programme requirements, a student shall be required to successfully complete any one of the Generic Elective courses offered during the semester. The institution may decide to offer either or both of the Generic Elective courses, subject to academic feasibility, availability of faculty expertise, and student enrolment.

24/07/26

(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

C.1 Paper Identification

PAPER PROFILE

Paper Code	MA PK & J CC 207
Title of the Paper	Core Course I: नाटक एवं सट्टक
Programme / Subject	[MA] — [Prakrit And Jainology]
Semester	Semester II
Nature of Course	Core Course (CC)
L – T – P	3 – 1 – 0
Credits	4
Maximum Marks	100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30)
Duration of Examination	3 Hours

C.2 Marks Distribution

Component	Paper I	Practical	IA	Total (ESE+IA/ESE+PRAC)
End Semester Examination	70	—	—	70
Practical / Lab Work	—	30	—	30
Internal Assessment	—	—	30	30
Maximum Marks	**70**	**30**	**30**	**100**
Passing Marks	**32**	**13**	**13**	**45 (45%)**

Note: Internal Assessment shall be conducted on the basis of attendance, class tests, seminars, assignments, and viva voce as provided in the regulation.

C.3 Course Objectives (COBs)

COB No.	Course Objectives
COB 1	प्राकृत जनभाषा के रूप में तथा राज्यभाषा के रूप में प्रतिष्ठित हुई जिसका विवेचन नाट्यशास्त्र में भी प्राप्त होता है।
COB 2	नाटक की उत्पत्ति लोकप्रचलित नृत्य और संगीत से हुई है, अतः हावभाव युक्त नाटक का इसमें अध्ययन किया गया है।
COB 3	नाटक का एक रूप प्रकरण में भी पाया जाता है, जिसका वर्णन इसमें किया गया है।
COB 4	प्राचीन समय में अपठित तथा अर्ध पठित सामान्य लोगों के जानकारी हेतु सट्क के माध्यम से विभिन्न प्रकार के कथा कहानियों का वर्णन किया गया है।
COB 5	प्राकृत में नाटक को सट्टक कहा जाता है जिस सट्टक के माध्यम से सामान्य जनता को उपदेश दिया जाता है।

24/07/26

(Kalpana Srivastava)

Special Duty (Judl.)

C.4 Course Outcomes (COs)

CLO No.	Course Learning Outcome
CLO 1	आचार्य भरत मुनि द्वारा रचित नाट्यशास्त्र के अध्ययन से नाटक के विषय में विस्तृत जानकारी मिलती है।
CLO 2	कवि राजशेखर कृत विद्धशालभंजिका नाटिका के माध्यम से रूपकों के 10 भेद, 18 उपभेदों के सामान्य जानकारी करना इस इकाई का उद्देश्य है।
CLO 3	मृच्छकटिकम नामक प्रकरण में बसंतसेना तथा चारूदत्त के जीवन की कई मौलिक कहानियों का विवेचन है जो सामान्य जनजीवन को अधिक प्रभावित करती है यह अपने समय का एक स्पष्ट और प्रेरणादायक प्रकरण है।
CLO 4	कर्पूरमंजरी तथा रम्भामंजरी नामक सटट्क श्रृंगार से ओतप्रोत है जिसमें नायक और नायिकाओं के भूमि का वर्णन किया गया है। इसमें सट्टक के सारी विशेषताएं उपलब्ध है।

C.5 Syllabus — Unit-wise Breakdown

Course Name: PRAKRIT AND JAINOLOGY		
Unit	Content	Suggested Lectures hours
I	नाटक, रूपक, उपरूपक, सट्क, प्रकरण इत्यादि का सामान्य परिचय एवं विशेषताएँ।	12–15
II	विद्धशालभंजिका – (कवि राजशेखर कृत) – सम्पूर्ण	12–15
III	मृच्छकटिकम (महाकवि शूद्रक विरचित)–विशेषता, रचयिता, समीक्षा एवं प्राकृत अंश का अध्ययन	12–15
IV	कर्पूरमंजरी (कवि राजेशखर कृत) – सम्पूर्ण	12–15
V	रम्भा मंजरी (कवि नयचंद्र कृत) प्रथम दो यवनिका	12-15
	Total Suggested Lectures	**60 (For 4 Credit Course)**
	Total Suggested Contact Hours For Practical/Field Work Courses	**120 Hours/Semester**

C.6 Prescribed Textbooks

1. डॉ॰ नेमिचन्द्र शास्त्री – प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक अध्ययन – तारा बुक एजेन्सी, सिगरा, वाराणसी
2. रमाशंकर त्रिपाठी – मृच्छकटिकम् – मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी ।

24/07/26

(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

3. डॉ. सुषमा– मृच्छकटिकम् एक समीक्षात्मक अध्ययन– इण्डो विजन प्रो॰लि॰ नेहरू नगर, गाजियाबाद।

4. डॉ. राजाराम जैन– मध्यकालीन जैन सट्टक नाटक – प्राच्य साहित्य प्रकाशन महाजन टोली नं॰–2 आरा (भोजपुर)

5. श्री रामकुमार– कर्पूरीमंजरी (राजशेखर) –चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

6. डॉ॰ ब्रजमोहन पाण्डेय नलिन – रम्भामंजरी (नयचन्द्र)– अशोक नगर, गया

7. राघवल्लभ त्रिपाठी– भारतीय नाट्य स्वरूप एवं परम्परा–

8. भरत मुनि– नाट्यशास्त्र – सं॰ डॉ. पार्श्वनाथ द्विवेदी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी ।

9. डॉ॰ सुदर्शन मिश्र– नाट्यशास्त्र में प्राकृत संदर्भ– राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, दिल्ली

10. जनार्दन शास्त्री पाण्डेयः अनुवाद – विद्धशालभंजिका (कवि राजशेखर कृत) प्रकाशक – मोतीलाल बनारसीदास, पटना।

C.7 Reference Books & Readings

25. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Book]. [Publisher].
26. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Article]. [Journal Name], [Volume]([Issue]), [pp. XX–XX].
27. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Book]. [Publisher].

C.7 Suggested E-Resources / Digital Repositories

- SWAYAM / NPTEL: [Relevant Course Name and Link]
- e-PG Pathshala: [Subject Portal Link]
- SHODHGANGA / Shodhgangotri — for research thesis reference
- NDL India (National Digital Library): ndl.gov.in
- [Any other relevant Open Educational Resource]

C.8 Assessment Pattern & Question Paper Design

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

Internal Assessment (20 marks) breakdown:

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

24/07/26
(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

Note: *Generic/Open Elective–I (Course Code) and II (Course Code) courses in Semester- I and Generic/Open Elective–III (Course Code) and IV (Course Code) courses in Semester- II of 2 Year Postgraduate Programme may be offered by an institution based on student demand, academic interest, and the availability of qualified faculty members. These courses shall be open to students of the concerned discipline as well as students from other disciplines, with the objective of promoting multidisciplinary and interdisciplinary learning in accordance with the principles of the National Education Policy (NEP), 2020.*

For fulfilment of the programme requirements, a student shall be required to successfully complete any one of the Generic Elective courses offered during the semester. The institution may decide to offer either or both of the Generic Elective courses, subject to academic feasibility, availability of faculty expertise, and student enrolment.

24/07/26

(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

C.1 Paper Identification

PAPER PROFILE

Paper Code	MA PK & J CC 208
Title of the Paper	Core Course I: शोध पद्धति एवं अनुवाद
Programme / Subject	[MA] — [Prakrit And Jainology]
Semester	Semester II
Nature of Course	Core Course (CC)
L – T – P	3 – 1 – 0
Credits	4
Maximum Marks	100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30)
Duration of Examination	3 Hours

C.2 Marks Distribution

Component	Paper I	Practical	IA	Total (ESE+IA/ESE+PRAC)
End Semester Examination	70	—	—	70
Practical / Lab Work	—	30	—	30
Internal Assessment	—	—	30	30
Maximum Marks	**70**	**30**	**30**	**100**
Passing Marks	**32**	**13**	**13**	**45 (45%)**

Note: Internal Assessment shall be conducted on the basis of attendance, class tests, seminars, assignments, and viva voce as provided in the regulation.

C.3 Course Objectives (COBs)

COB No.	Course Objectives
COB 1	शोध कार्य में पाठ का सम्पादन और उसका अनुवाद प्रस्तुत पाठ के अध्ययन का अंग है।
COB 2	शोध कार्य का संक्षिप्त प्रारूप की उतनी ही आवश्यकता है जितना की शोध प्रबन्ध का।
COB 3	शोध कार्यो का लिपि बद्ध करना है और प्रुफ रिडिंग का उतना ही महत्व है जितना की शोध प्रबन्ध का ।
COB 4	शोध प्रबन्ध में शोध कार्य करते समय शोध साहित्य की समीक्षा एवं सटीक आंकड़ों को लिपिबद्ध करना भी अत्यन्त आवश्यक है।
COB 5	पूरे शोध प्रबन्ध का कार्य परिणाम और निष्कर्ष पर निर्भर करता है जो प्रस्तुत पाठ में वर्णन करना है।

24/07/26

(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

C.4 Course Outcomes (COs)

CLO No.	Course Learning Outcome
CLO 1	पांडुलिपि विज्ञान शोध की परिकल्पना प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य होगा ।
CLO 2	शोध क्रिया में स्वच्छता एवं सामान्य भाषा का प्रयोग परम आवश्यक है। जो हमारे पाठ का मुख्य भाग है।
CLO 3	शोध कार्यों का प्रयोग और सर्वेक्षण साक्षात्कार के साथ शोध कार्य का प्रमुख पहलु होगा ।
CLO 4	आंकड़ों का विश्लेषण सैम्पल चयन के साथ शोध के परिणाम और निष्कर्ष शोध कार्य का मूल भाग होगा।

C.5 Syllabus — Unit-wise Breakdown

Course Name: PRAKRIT AND JAINOLOGY		
Unit	**Content**	**Suggested Lectures hours**
I	पाठ का संपादन, पाण्डुलिपि विज्ञान शोध का महत्व, परिकल्पना / उद्देश्य	12–15
II	शोध क्रियाविधि, शोध परियोजना का प्रारूप निर्माण, स्वैच्छिकता	12–15
III	इंडेक्सिंग विधि, प्रुफ रीडिंग सर्वेक्षण, प्रयोग, साक्षात्कार एवं ससंदर्भ अनुवाद।	12–15
IV	मौजूदा धर्म दर्शन एवं साहित्य की समीक्षा, उचित शोध कार्य प्रणाली तार्किक तरीकों से सटीक आंकड़ों का विश्लेषण, सैंपल का चयन इत्यादि	12–15
V	पाठ्यक्रम अधिगम के परिणाम, शोध कार्य अधिगम के परिणाम एवं निष्कर्ष	12-15
	Total Suggested Lectures	**60 (For 4 Credit Course)**
	Total Suggested Contact Hours For Practical/Field Work Courses	**120 Hours/Semester**

C.6 Prescribed Textbooks

1. प्रभुनाथ द्विवेदी – शोध प्रविधि–– चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन
2. चण्डेश्वर ठाकुर– व्यवहार रत्नाकर –
3. C.R. Kothari - Research Methodology - New age publication
4. डॉ. एस.एम. जैन – अनुसंधान प्रविधि एवं सांख्यिकी
5. डॉ. शुभांगी काम्बले – अनुसंधान पद्धति परिचय– चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी ।

24/07/26

(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

C.7 Reference Books & Readings

28. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Book]. [Publisher].
29. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Article]. [Journal Name], [Volume]([Issue]), [pp. XX–XX].
30. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Book]. [Publisher].

C.7 Suggested E-Resources / Digital Repositories

- SWAYAM / NPTEL: [Relevant Course Name and Link]
- e-PG Pathshala: [Subject Portal Link]
- SHODHGANGA / Shodhgangotri — for research thesis reference
- NDL India (National Digital Library): ndl.gov.in
- [Any other relevant Open Educational Resource]

C.8 Assessment Pattern & Question Paper Design

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

Internal Assessment (20 marks) breakdown:

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

Note: *Generic/Open Elective–I (Course Code) and II (Course Code) courses in Semester- I and Generic/Open Elective–III (Course Code) and IV (Course Code) courses in Semester- II of 2 Year Postgraduate Programme may be offered by an institution based on student demand, academic interest, and the availability of qualified faculty members. These courses shall be open to students of the concerned discipline as well as students from other disciplines, with the objective of promoting multidisciplinary and interdisciplinary learning in accordance with the principles of the National Education Policy (NEP), 2020.*

For fulfilment of the programme requirements, a student shall be required to successfully complete any one of the Generic Elective courses offered during the semester. The institution may decide to offer either or both of the Generic Elective courses, subject to academic feasibility, availability of faculty expertise, and student enrolment.

KS 24/07/26

(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

C.1 Paper Identification

PAPER PROFILE

Paper Code	MA PK & J GE 205
Title of the Paper	Core Course I: प्राकृत एवं अन्य साहित्य के अध्ययन का समसामयिक महत्व
Programme / Subject	[MA] — [Prakrit And Jainology]
Semester	Semester II
Nature of Course	Core Course (CC)
L – T – P	3 – 1 – 0
Credits	4
Maximum Marks	100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30)
Duration of Examination	3 Hours

C.2 Marks Distribution

Component	Paper I	Practical	IA	Total (ESE+IA/ESE+PRAC)
End Semester Examination	70	—	—	70
Practical / Lab Work	—	30	—	30
Internal Assessment	—	—	30	30
Maximum Marks	**70**	**30**	**30**	**100**
Passing Marks	**32**	**13**	**13**	**45 (45%)**

Note: Internal Assessment shall be conducted on the basis of attendance, class tests, seminars, assignments, and viva voce as provided in the regulation.

C.3 Course Objectives (COBs)

COB No.	Course Objectives
COB 1	जीवन मूल्य शिक्षा के आधार पर सामाजिक विश्लेषण प्रस्तुत पाठ में विवेचित किया गया है।
COB 2	पुरातात्विक और ऐतिहासिक आधार पर प्राकृत साहित्य एवं अन्य साहित्यों का अध्ययन करना इस पाठ का मूल भाग है।
COB 3	मूल्य परक शिक्षा की उपादेयता प्रस्तुत पाठ् में वर्णित है।
COB 4	भारतीय भाषाओं का विकासक्रम तथा समय का विवेचन प्रस्तुत पाठ में विवेचित करना है।
COB 5	प्राकृत, पालि और बौद्ध अध्ययन लोक संस्कृति में महत्व ही इस पाठ का मौलिक भाग है, जिसका अध्ययन करना आवश्यक है।

24/07/26

(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

C.4 Course Outcomes (COs)

CLO No.	Course Learning Outcome
CLO 1	साहित्य समाज का दर्पण है और इसका महत्व जीवन में बहुत अधिक है इस पाठ का अध्ययन ही इस शीर्षक का उद्देश्य है।
CLO 2	पुरातात्विक विश्लेषण प्राचीन भाषाओं का अत्यावश्यक है, जिससे विषय की जानकारी हासिल की जा सकती है।
CLO 3	शिक्षा और परीक्षा की उपादेयता विद्यार्थी जीवन के लिए समसामयिक संदर्भ में अत्यावश्यक है जो इस पाठ का मुख्य उद्देश्य है।
CLO 4	भारतीय आर्य भाषाओं के संबंध में विकासक्रम का विवेचन पालि प्राकृत और बौद्ध अध्ययन के पुस्तकों में भरपूर प्राप्त होता है।

C.5 Syllabus — Unit-wise Breakdown

Course Name: PRAKRIT AND JAINOLOGY		
Unit	Content	Suggested Lectures hours
I	साहित्य में जीवन मूल्य शिक्षा एवं सामाजिक विशलेषण	12–15
II	प्राकृत साहित्य तथा अन्य साहित्यों में पुरातत्व एवं उसका ऐतिहासिक एवं सामाजिक अध्ययन करना	12–15
III	शिक्षा एवं परीक्षा की उपादेयता व मूल्य परक अध्ययन समसामयिक संदर्भ में ।	12–15
IV	भारतीय भाषाओं का विकासक्रम का समीक्षात्मक अध्ययन करना	12–15
V	साहित्य में और विशेषकर प्राकृत पालि एवं बौद्ध अध्ययन में वर्णित लोक संस्कृति एवं अध्यात्म ज्ञान की दृष्टि से अध्ययन	12-15
	Total Suggested Lectures	**60 (For 4 Credit Course)**
	Total Suggested Contact Hours For Practical/Field Work Courses	**120 Hours/Semester**

C.6 Prescribed Textbooks

1. एन.बी. रावल– शिक्षा एवं समकालीन भारत – नीरज प्रकाशन, अहमदाबाद
2. आर.पी. ढोलकिया– मानव मूल्य और शब्द धर्म––एन.सी.ई.आईयू, नई दिल्ली।
3. डॉ. हेमलता जोशी जैन– जीवन विज्ञानः मूल्य परक शिक्षा– विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ (राजस्थान)

24/07/26

(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

4. डॉ. अमित कुमार– जैन प्राकृतवाङ्‌मययोः मानवाधिकाराः–– संस्कृति प्रकाशन बी॰ 32/32, ए–140 साकेतनगर, वाराणसी
5. डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम – इग्नाइटेड माइंड्स (Ignited Minds)- पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया से प्रकाशित

C.7 Reference Books & Readings

31. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Book]. [Publisher].
32. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Article]. [Journal Name], [Volume]([Issue]), [pp. XX–XX].
33. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Book]. [Publisher].

C.7 Suggested E-Resources / Digital Repositories

- SWAYAM / NPTEL: [Relevant Course Name and Link]
- e-PG Pathshala: [Subject Portal Link]
- SHODHGANGA / Shodhgangotri — for research thesis reference
- NDL India (National Digital Library): ndl.gov.in
- [Any other relevant Open Educational Resource]

C.8 Assessment Pattern & Question Paper Design

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

Internal Assessment (20 marks) breakdown:

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

Note: *Generic/Open Elective–I (Course Code) and II (Course Code) courses in Semester- I and Generic/Open Elective–III (Course Code) and IV (Course Code) courses in Semester- II of 2 Year Postgraduate Programme may be offered by an institution based on student demand, academic interest, and the availability of qualified faculty members. These courses shall be open to students of the concerned discipline as well as students from other disciplines, with the objective of promoting multidisciplinary and interdisciplinary learning in accordance with the principles of the National Education Policy (NEP), 2020.*

For fulfilment of the programme requirements, a student shall be required to successfully complete any one of the Generic Elective courses offered during the semester. The institution may decide to offer either or both of the Generic Elective courses, subject to academic feasibility, availability of faculty expertise, and student enrolment.

24/07/26

(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

C.1 Paper Identification

PAPER PROFILE

Paper Code	MA PK & J GE 206
Title of the Paper	Core Course I: जैन एवं जैनेत्तर लोक संस्कृति
Programme / Subject	[MA] — [Prakrit And Jainology]
Semester	Semester II
Nature of Course	Core Course (CC)
L – T – P	2 – 0 – 0
Credits	2
Maximum Marks	100 (ESE: 70 + Internal Assessment: 30)
Duration of Examination	3 Hours

C.2 Marks Distribution

Component	Paper I	Practical	IA	Total (ESE+IA/ESE+PRAC)
End Semester Examination	70	—	—	70
Practical / Lab Work	—	30	—	30
Internal Assessment	—	—	30	30
Maximum Marks	**70**	**30**	**30**	**100**
Passing Marks	**32**	**13**	**13**	**45 (45%)**

Note: Internal Assessment shall be conducted on the basis of attendance, class tests, seminars, assignments, and viva voce as provided in the regulation.

C.3 Course Objectives (COBs)

COB No.	Course Objectives
COB 1	जैन धर्म में पंचपरमेष्ठी व्रत्त का बहुत महत्व है जिसका वर्णन प्रस्तुत पाठ में करना है।
COB 2	मानवता सिद्धांत का विवेचन जैन आगमों में विस्तृत रूप से विवेचित है जिसका विवेचन प्रस्तुत पाठ में किया जा सकता है।
COB 3	अहिंसा एक व्यापक शब्द है जिसके स्वरूप एवं विश्लेषण प्राकृत के अन्य ग्रंथों में विवेचित है, जिसका अध्ययन प्रस्तुत पाठ में करना अपेक्षित है।
COB 4	लोक जीवन लोक भाषा एवं लोक संस्कृति प्रस्तुत पाठ में किया जाएगा ।
COB 5	धर्म दर्शन तथा मानवता बोधक संदेश जो भगवान महावीर तथा बुद्ध द्वारा दिया गया है प्रस्तुत पाठ में करना आवश्यक है।

24/07/26

(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special-Duty (Judl.)

C.4 Course Outcomes (COs)

CLO No.	Course Learning Outcome
CLO 1	व्रत तथा महाव्रत जो जैन धर्म में विवेचित है जिसका सामान्य ज्ञान प्रस्तुतिकरण का अध्ययन इस पाठ का उद्देश्य है।
CLO 2	जैनागम ग्रंथों में मानवता सिद्धांत का विवेचन सर्वत्र प्राप्त होता है जिसका अध्ययन अध्यापन प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य है।
CLO 3	अहिंसा अपरिग्रह के स्वरूप और विश्लेषण से मानव जीवन उपयोगी सिद्ध होता है जो इस पाठ के अध्ययन की अपेक्षा रखता है।
CLO 4	धर्मदर्शन का मनन एवं चिंतन परम आवश्यक है जो इस पाठ में सर्वत्र प्राप्त होता है।

C.5 Syllabus — Unit-wise Breakdown

Course Name: PRAKRIT AND JAINOLOGY		
Unit	Content	Suggested Lectures hours
I	पंचपरमेष्ठी का सामान्य ज्ञान	12–15
II	जैनागमों में मानवता का सिद्धान्त	12–15
III	अहिंसा का स्वरूप एवं विश्लेषण	12–15
IV	लोकजीवन, लोकभाषा एवं लोकसंस्कृति	12–15
V	धर्मदर्शन का मनन एवं चिंतन के पश्चात् मानवता बोधक संदेश प्रदान करना	12-15
	Total Suggested Lectures	**60 (For 4 Credit Course)**
	Total Suggested Contact Hours For Practical/Field Work Courses	**120 Hours/Semester**

C.6 Prescribed Textbooks

1. डॉ. हरिशंकर पाण्डेय– प्राकृत एवं जैनागम साहित्य – लक्ष्मी पब्लिकेशन, शान्ति कुटीर, कतीरा, आरा
2. डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री– प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोकचनात्मक इतिहास– तारा पब्लिकेशन, सिगरा, वाराणसी ।
3. डॉ. सागरमल जैन – जैनधर्म दर्शन एवं संस्कृति – पार्श्वनाथ विद्याश्रम शोध संस्थान, वाराणसी ।

24/07/26

(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

C.7 Reference Books & Readings

34. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Book]. [Publisher].
35. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Article]. [Journal Name], [Volume]([Issue]), [pp. XX–XX].
36. [Author Surname, Initials.] ([Year]). [Title of the Book]. [Publisher].

C.7 Suggested E-Resources / Digital Repositories

- SWAYAM / NPTEL: [Relevant Course Name and Link]
- e-PG Pathshala: [Subject Portal Link]
- SHODHGANGA / Shodhgangotri — for research thesis reference
- NDL India (National Digital Library): ndl.gov.in
- [Any other relevant Open Educational Resource]

C.8 Assessment Pattern & Question Paper Design

The End-Semester shall be conducted as per the following question paper design:

- Section A: Short Answer Questions (10 × 2 marks = 20 marks) — Covering all units (mandatory)
- Section B: Medium Answer Questions (4 × 5 marks = 20 marks) — Attempt any 4 out of 6
- Section C: Long Answer / Essay Questions (3 × 10 marks = 30 marks) — Attempt 3 out of 5.

Internal Assessment (20 marks) breakdown:

- Written Test(s): 20 marks
- Seminar / Assignment / Project: 05 marks
- Attendance & Class Participation: 05 marks

Note: *Generic/Open Elective–I (Course Code) and II (Course Code) courses in Semester- I and Generic/Open Elective–III (Course Code) and IV (Course Code) courses in Semester- II of 2 Year Postgraduate Programme may be offered by an institution based on student demand, academic interest, and the availability of qualified faculty members. These courses shall be open to students of the concerned discipline as well as students from other disciplines, with the objective of promoting multidisciplinary and interdisciplinary learning in accordance with the principles of the National Education Policy (NEP), 2020.*

For fulfilment of the programme requirements, a student shall be required to successfully complete any one of the Generic Elective courses offered during the semester. The institution may decide to offer either or both of the Generic Elective courses, subject to academic feasibility, availability of faculty expertise, and student enrolment.

24/07/26

(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

PART D — GENERAL REGULATIONS & PROVISIONS

D.1 Attendance & Eligibility

- A student must have a minimum of 75% attendance in each paper to be eligible to appear in the Semester / Annual Examination.
- Condonation of attendance deficiency shall be governed by the Regulation..
- A student detained due to shortage of attendance may appear to the examinations of same semester in the next academic session subject to payment of prescribed fees.

D.2 Examination & Promotion Rules

- A student is required to clear **at least** 60% (4 out of 6) papers of a particular Semester before being promoted to the succeeding Semester.
- Back / Ex-Student candidates shall be governed by the rules in force at the time of their original admission unless otherwise specifically notified.
- A candidate who fails in one or more papers shall be required to appear only in the failed paper(s) (Carry Forward System) in subsequent examinations of the same Semester.
- A candidate is required to clear all his papers within a maximum of **Five Years of duration** to qualify for the degree.

D.3 Grading System (CBCS)

Letter Grade	% Range	Grade Point	Performance Description	Remarks
O	≥90-100	10	Outstanding	Pass
A+	≥80<90	9	Excellent	Pass
A	≥70<80	8	Very Good	Pass
B+	≥60<70	7	Good	Pass
B	≥55<60	6	Above Average	Pass
C	≥50<55	5	Average	Pass
P	≥45<50	4	Pass	Pass
F	<45	0	Fail	Fail
Ab/M	0	0	Absent/Malpractice	Fail / Reappear

PART E — ABBREVIATIONS & AUTHENTICATION

E.1 List of Abbreviations

Abbr.	Expansion	Abbr.	Expansion
CC	Core Course	**DSE**	Discipline Specific Elective
GE	Generic Elective	**OE**	Open Elective
AEC	Ability Enhancement Course	**VAC**	Value Added Course
SEC	Skill Enhancement Course	**IKS**	Indian Knowledge System

24/07/26
(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)

L	Lecture (hours per week)	**T**	Tutorial (hours per week)
P	Practical (hours per week)	**IA**	Internal Assessment
CCA	Continuous & Comprehensive Assess.	**CLO**	Course Learning Outcome
PLO	Programme Learning Outcome	**GA**	Graduate Attribute
NHEQF	National HE Qualifications Framework	**PROJ**	Project / Dissertation

E.2 Authentication

Dr. Dudh Nath Choudhary
[Head P.G. Department of Jainology]
[Veer Kunwar Singh University, Ara]
Date: 21/07/2026

Dr. Harendra Prasad Singh
[Ex. Head, P.G. Department of Prakrit]
[B.D. College, Patna]
[Patliputra University, Patna]
Date: 1.7.2026

Dr. Ashok Kumar
[Head Department of Prakrit]
[B. D. College, Patna]
[Patliputra University, Patna]
Date: 01/7/2026

24/07/26
(Kalpana Srivastava)
Officer-On-Special Duty (Judl.)